मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी

Website : www.metrodinank.com
Email : metrodinank@gmail.com

RNI No. : MAHHIN/2009/35355 POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20

वर्ष : ०९ अंक :१२ मुंबई, शुक्रवार २८ दिसंबर २०१८ से ३ जनवरी २०१९ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

बीजेपी - शिवसेना के बीच महाराष्ट्र से लेकर केंद्र तक तल्खी

कर्ण हिंदुस्तानी

मुंबई, शिवसेना और बीजेपी भले ही एक-दूसरे की सहयोगी पार्टी हैं, मगर दोनों के बीच महाराष्ट्र से लेकर केंद्र तक तल्खी देखने को मिलती है। बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने पार्टी नेताओं को साफ निर्देश दिया है कि शिवसेना के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी से बचें। हालांकि आरएसएस से जुड़े एक दैनिक 'तरुण भारत' ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को निशाने पर लिया है।

बुधवार को अपने संपादकीय में 'तरुण भारत' ने एक ओर शिवसेना द्वारा केंद्र सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने और दूसरी ओर सहयोगी पार्टी भी बने रहने पर सवाल उठाया। संपादकीय में लिखा, 'उद्धव ठाकरे काफी भ्रमित लगते हैं। उन्हें बिल्कुल भी विवेक नहीं है कि क्या बोलना है और क्या नहीं। ना ही इस बात का कि मैं क्या कर रहा हूं और मुझे क्या करना चाहिए। शिवसेना केंद्र और राज्य (महाराष्ट्र) दोनों जगह बीजेपी के साथ सत्ता में है, इसके बावजूद वह सरकार को गालियां देती है और सरकार के खिलाफ बोलती है।'

अखबार के संपादकीय ने शिवसेना को इस दोहरे रवैये के लिए निशाने पर लिया और चुनौती दी कि वह सरकार का साथ छोड़कर दिखाए। अखबार ने संपादकीय में लिखा, 'उद्धव सरकार को चोर कहते हैं। इसका मतलब शिवसेना के मंत्री भी चोर हैं। अगर शिवसेना मानती है कि चौकीदार ही चोर है, तो वह सरकार का साथ क्यों नहीं छोड़ देती।'

अखबार ने संपादकीय में लिखा कि सरकार की आलोचना कर शिवसेना लोगों को भ्रमित करना चाहती है, लेकिन जनता अगले चुनाव में उसे उसकी जगह दिखाएगी।

सर्वश्रेष्ठ सांसद की लिस्ट में गोपाल शेट्टी

दीनानाथ तिवारी

मुंबई । लगभग साढ़े चार साल पहले रिकार्ड मतों से जीत दर्ज करने वाले उत्तर मुंबई के सांसद गोपाल शेट्टी को सर्वश्रेष्ठ सांसदों की लिस्ट में स्थान मिलाय है। 'फेम इंडिया मैगजीन' द्वारा किए एशिया पोस्ट के सर्वे में २५ सर्वश्रेष्ठ सांसदों की लिस्ट में स्थान पाने वाले वे मुंबई के एकमात्र सांसद हैं। जबकि इस लिस्ट में महाराष्ट्र के तीन सांसदों को स्थान मिला है। मैगजीन ने देश के सभी ५४३ लोकसभा क्षेत्रों में सांसदों द्वारा किए गए विकास कार्यों के अलावा अन्य केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा १० बिंदुओं के आधार पर सर्वश्रेष्ठ २५ सांसदों की लिस्ट तैयार की है। सर्वे के मुताबिक गोपाल शेट्टी ने संसद की हर एक बैठक में उपस्थिति दर्ज कराई है।

सदन में मौजूदगी के लिए उन्हें शत प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। महाराष्ट्र के ३ सांसदों में मुंबई से शेट्टी के साथ अहमदनगर से भाजपा के दिलीप गांधी, बारामती से राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले का समावेश है। इस उपलब्धि पर सांसद गोपाल शेट्टी ने इसका श्रेय अपनी माँ को दिया। राजनीति में अभी तक अजेय रहे शेट्टी १९९२ में नगरसेवक के रूप में चुनाव जीतकर राजनीति में सक्रिय हुए। शेट्टी तीन बार नगरसेवक, दो बार विधायक, पहली बार सांसद बनने से पूर्व मुंबई मनपा के उप महापौर के साथ मुंबई भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का संगीतमय भव्य शुभारंभ

जय कुमार शर्मा

ठाणे । दिवा पूर्व में श्रीराम कृष्ण सेवा संस्थान के तत्वावधान में कथा व्यास सुप्रसिद्ध श्री वेद निधि शास्त्री जी महाराज (वेदान्ताचार्य) के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं समाजसेवक सेठ नानाजी भाई खिमजी भाई ठक्कर, ठाणा वाला ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संस्थान के अध्यक्ष प्रवीण उपाध्याय ने मेट्रो दिनांक संवाददाता को बताया कि भागवत कथा का आयोजन २४ दिसंबर से ३१ दिसंबर तक शाम ६ बजे से १० बजे तक चलेगा।

प्रथम दिवस महात्म्य धुंधकरी की कथा द्वितीय दिवस महाभारत एवं कपिल उपाख्यान, तृतीय दिवस, ध्रुव एवं प्रह्लाद की कथा। चतुर्थ दिवस भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, पांचवे दिन कृष्ण की बाल-लीलाएं एवं गोवर्धन पूजा, छठवें दिन रुकमणि विवाह, सातवें दिन सुदामा चरित्र एवं बृज की होली एवं अंतिम दिन संगीत संध्या एवं महाप्रसाद (भण्डारा) रात्रि ८ बजे से ११ बजे तक का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। यदि कोई इस कार्यक्रम से जुड़ना चाहे तो संस्था के अध्यक्ष से संपर्क कर सकते हैं। मो. ९९६७९१६९२१-९७०२९६२२४१

भोलेनाथ महाराज(प्रयागराज)के अमृत वाणी में श्रीमद् भागवत कथा शुभारंभ

१जनवरी को होगा हवन व महा प्रसाद का भंडारा...

विनोद तिवारी

नालासोपारा : नालासोपारा (पूर्व), ओस्तवाल नगरी में श्री प्रयागराज फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा भोलेनाथ महाराज (प्रयागराज) के अमृत वाणी से शुभारंभ हुआ है।श्रीमद भागवत कथा ज्ञान को सैकड़ों लोग ग्रहण कर रहे है.

मंगलवार को दोपहर में श्रीमद भागवत कथा स्थान से पोथी कलश यात्रा निकाला गया जिसमें सैकड़ों महिला पिला वस्त्र धारण यात्रा में भाग ली थी।भागवत कथा स्थान से आस पास के गलियों में कलश यात्रा को भ्रमण करा कर वापस स्थान पर कलश यात्रा पहुँचा।शाम को पोथी पूजन के बाद भोलेनाथ महाराज के अमृत वाणी से श्रीमद भागवत कथा का शुरुवात किया गया. श्रीमद भागवत कथा में कार्यकर्ता रूपी बृजेश मिश्र(राष्ट्रीय अध्यक्ष), अरविंद प्रताप सिंह(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), भोलानाथ त्रिपाठी (राष्ट्रीय महासचिव), सुधाकर मिश्रा (सचिव) संतोष सिंह (कोषाध्यक्ष), राम अछैबर यादव (उपकोषाध्यक्ष), एडवोकेट सुनील मिश्र (कानूनी सलाहकार), एडवोकेट अनिल पांडेय, आचार्य पंडित एडवोकेट दीनानाथ शुक्ल, एडवोकेट मनोज तिवारी, डी पी दुबे प्रमुख सलाहकार, राकेश तिवारी, बबलू तिवारी, अशोक सिंह, जितेन्द्र मिश्रा, रामलाल कन्नौजिया, सुरेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, साहबलाल तिवारी, धीरज मिश्रा, देवेंद्र राय, राजाराम राजपूत, ओम प्रकाश तिवारी आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

एंटी करप्शन कमेटी ने जयापुर गांव पहुंचकर विकास कार्यों की ली जानकारी

मेट्रो दिनांक संवाददाता

वाराणसी। एंटी रप्शन कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र द्विवेदी जी ने मऊ आजमगढ़ गाजीपुर, जौनपुर, भदोही, वाराणसी का दौरा कर विकास कार्यों की लोगों से जानकारी ली। वाराणसी पहुंचकर प्रधानमंत्री के गोद लिए जयापुर गांव का भी जायजा लिया। विकास कहां कितना हुआ? एंटी करप्शन की टीम ने जयापुर में बने नंदवर गौशाला अटल नगर सोलर प्लांट पेयजल एवं सड़कों को देखकर जानकारी भी ली। सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी योजनाओं के तहत महिलाओं को मिलने वाली सरकारी लाभ किस तरह मिल रहीी है। इस बारे में भी योजनाओं की जानकारी ली। योजनाओं में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इसकी जांच करायी जायेगी, वहीं उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ताओं व पत्रकारों आदि को भी सुरक्षा दिये की बात कही। टीम में शामिल यूपी कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा अली खान व सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की टीम शामिल रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वाराणसी पुलिस और मीडिया को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि एंटी करप्शन कमेटी वाराणसी पुलिस को वह मीडिया को जिन्होंने टीम का उत्साह वर्धन किया, भ्रष्टाचार से लड़ने में हमारी हर संभव मदद की है।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयीजी के जयंती पर भाजपा वॉर्ड ७२ के नगरसेवक पंकज यादव ने ट्रॉमा हॉस्पिटल के मरीजों में फल वितरण कार्यक्रम किया. इस दौरान भाजपा वॉर्ड ७२ के कार्यकर्ते व महिला मोर्चा के कार्यकर्ता भारी संख्या में सहभागी हुए।भाजपा वॉर्ड ७२ के नगरसेवक पंकज यादव को मरीजों ने खूब आशीर्वाद दिया.

संपादकीय

सोहराबुद्दीन मुठभेड़ मामला

सोहराबुद्दीन शेख मुठभेड़ केस में शुक्रवार को मुंबई की विशेष अदालत ने सभी २२ आरोपियों को बरी कर दिया. कोर्ट का कहना था कि वह सीबीआई की ओर से पेश सबूतों से सहमत नहीं है और उनसे ये साबित नहीं होता कि सोहराबुद्दीन शेख और तुलसीराम प्रजापति की हत्या किसी षड्यंत्र के तहत हुई थी.ऐसे हुआ था एनकाउंटर!सीबीआई के मुताबिक सोहराबुद्दीन एक गैंगस्टर था, उसपर

आतंकवादियों से भी संबंध रखने के आरोप हैं. सोहराबुद्दीन कारोबारियों को धमकी देकर पैसा वसूला करता था. गुजरात पुलिस काफी वक्त से सोहराबुद्दीन को जाल में फंसाने की कोशिश कर रही थी लेकिन वह हर बार पुलिस को चकमा दे जाता. इसी बीच पुलिस के पास एक मौका आया जब सोहराबुद्दीन ने एक कारोबारी रमन पटेल से उगाही करने के लिए अपने दो साथी सिलवेस्टर और तुलसी प्रजापति को भेजा. प्ल दोनों ने कारोबारी रमन पटेल पर गोली चला दी और पुलिस ने सोहराबुद्दीन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर दी.इसके बाद सोहराबुद्दीन काफी वक्त तक खामोश रहा. सीबीआई चार्जशीट के अनुसार २२ नवंबर २००५ के दिन सोहराबुद्दीन शेख अपनी पत्नी कौसरबी और साथी तुलसी प्रजापति के साथ बस में बैठकर सांगली जा रहा था. इसी दौरान राजस्थान और गुजरात एटीएस की टीम ने तीनों को पकड़ा और गांधीनगर के डीशा ले आए. तीनों को एक फार्महाउस पर ले जाकर रख दिया गया.बाद में पुलिस सोहराबुद्दीन और तुलसी प्रजापति को अपने साथ ले गई, जबकि कौसरबी को फार्महाउस में ही बंद रखा गया. सीबीआई के अनुसार २६ नवंबर २००५ को अहमदाबाद के विशाला सर्किल के पास ही स्थित टोल नाके पर सुबह करीब ४ बजे सोहराबुद्दीन के एनकाउंटर की पूरी साजिश रची गई. चार्जशीट के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने एक कॉन्स्टेबल को आदेश दिया कि वो गुजरात एटीएस मुख्यालय की पार्किंग में खड़ी एक बाइक लेकर आए, जिसके बाद सोहराबुद्दीन को भी वहीं लाया गया.ये भी पढ़ें: सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में घिरी थी तीन राज्यों की पुलिस, कोई था अएइ तो कोई कॉन्स्टेबल!इसके बाद राजस्थान पुलिस के एक कांस्टेबल को कहा गया कि वह बाइक पर बैठकर जाए और फिर उससे अचानक छलांग लगा दे. जैसे ही कान्स्टेबल ने बाइक से छलांग लगाई, पुलिस ने सोहराबुद्दीन को चलती कार से धक्का दे दिया. चलती गाड़ी से सड़क पर गिरने से सोहराबुद्दीन घायल हो गया. इसी दौरान पुलिस ने उस पर अपनी सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग शुरू कर दी. सोहराबुद्दीन को आठ गोलियां लगीं. सीबीआई के अनुसार घटना को एनकाउंटर का रूप देने के लिए सोहराबुद्दीन को सिविल अस्पताल भी भिजवाया गया. सीबीआई चार्जशीट के अनुसार कौसरबी इस मामले में अपना मुंह न खोले इसलिए उसकी भी हत्या कर दी गई और उसकी लाश को ठिकाने लगा दिया गया. तुलसी प्रजापति को पुलिस ने अपना गवाह बनाकर छोड़ दिया. सीबीआई के अनुसार जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी तो तुलसी प्रजापति कहीं सच न उगल दे इसके लिए उसकी एनकाउंटर की भी साजिश रची गई और गुजरात के बनासकांठा जिले में उसका एनकाउंटर कर दिया गया.३७ लोगों को बनाया गया था आरोपीइस मामले में कुल ३८ लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिसमें से १६ लोगों को २०१४ में ही बरी कर दिया गया था. ये मामला पहले गुजरात में चल रहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इसे मुंबई ट्रांसफर कर दिया गया था. मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत में जिन २२ लोगों के खिलाफ केस चल रहा था इनमें ज्यादातर पुलिसकर्मी शामिल थे. ज्यादातर आरोपी गुजरात और राजस्थान के जूनियर लेवल के पुलिस अधिकारी हैं.

संक्षिप्त समाचार

HC के फैसले को SC में चुनौती देगी भाजपा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में भाजपा की ओर से प्रस्तावित रथयात्रा को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के डिविजन बेंच द्वारा हाई कोर्ट की सिंगल बेंच के फैसले को खारिज करने के बाद भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट की वकेशन बेंच का रुख करने का फैसला किया है। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल बेंच के उस आदेश को डिविजन बेंच में चुनौती दी थी, जिसमें भाजपा को रथयात्रा निकालने की अनुमति दी गई थी।

एआईएफपीए की प्लैटिनम जुबली कॉन्फ्रेंस

मुंबई: मुंबई ऑल इंडिया फूड प्रोसेसर्स असोसिएशन (एआईएफपीए) के प्लैटिनम जुबली कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन राष्ट्रपति डॉ. रामनाथ कोविंद ने किया। इस मौके पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा और एआईएफपीए के अध्यक्ष डॉ. सुबोध जिंदल उपस्थित थे।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन

मुंबई: अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की तरफ से मंगलवार २५ दिसंबर को लोअर परेल के सेंट रेगिस होटल में दोपहर ३ बजे से ३८वां युवक-युवती परिचय सम्मलेन का आयोजन किया गया है। इसमें देशभर के विवाह योग्य युवक और युवतियां से आएंगे। संस्था के मुंबई अध्यक्ष शिवकांत खेतान के मुताबिक, अब तक ३७ अग्रवाल परिचय सम्मेलनों में बड़ी संख्या में रिश्ते हुए हैं।

भारतीया किसान और उनकी मूलभूत समस्याएं

- डॉ. अर्चना दूबे

स्वतंत्र भारत से पूर्व और स्वतंत्र भारत के पश्चात एक लम्बी अवधि व्यातीत होने के बाद भी भारतीय किसानों की दशा में केवल १९ – २० का ही अंतर अब तक दिखाई दे रहा है । जिन अच्छे किसानों की बात की जाती है, उनकी गिनती बस उगलियों पर ही की जा सकती है । बढ़ती आबादी,औद्यौगिकरण व नगरीयकरण के कारण कृषि योग्य क्षेत्रफल में निरंतर गिरावट आयी।

भारत संरचनात्मक दृष्टी से गांवों का देश है, और सभी ग्रामीण समुदायों में अधिक मात्रा में कृषि कार्य किया जाता है इसीलिए भारत को कृषि प्रधान देश की संज्ञा मिली है । 'सादा जीवन उच्च विचार, यह देखो भारतीय किसान' इस कहावत की सच्चाई ही हमे बड़ी सहजता से भारतीय किसान को देखकर हो जाती है । एक कृषक का जीवन बहुत ही संघर्षो से व्यतीत होता है । वह हर मौसम में अपने खेतों में जी – जान लगाकर काम करता रहता है, चाहे गर्मी, ठंडी या बारिश ही क्यों न हो ? भारत गाँवों और किसानों का देश है यहाँ की ६५इ लोग आज भी खेती – बारी के ही काम में लगे है । इसलिए सरकार को किसानों की सही ढ़ंग से देखभाल करते हुए उनकी आवश्यकताओं पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए ।

वास्तव में भोजन हर मनुष्य की जरूरत है । कोई भी व्यक्ति बिना अन्न के दाना के जीवित नहीं रह सकता । हमें इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि किसान ही हमारे अन्नदाता है । हम सभी को किसान का सम्मान करना चाहिए । यदि किसान ही भूखा और गरीब है तो देश कभी भी सुखी और समृध्द नहीं हो सकता ।

भारत की पहचान एक कृषि प्रधान देश के रूप में रही है लेकिन देश के बहुत से किसान बेहाल है । फसल बर्बाद होने के कारण हो रहे भारी नुकसान से किसान की बढ़ती हताशा उसे आत्महत्या की ओर ले जा रही है । भले ही जनधन में १३ करोड़ से ज्यादा खाते खुल गये हो, आधार नम्बर से जुड़ने वाले बैंक खाते लगभग पूरी आबादी को कवर करने की ओर जा रही हों, लेकिन किसानों की मदद के लिए अभी भी बेहद पुरानी, लम्बी और लचर व्यवस्था ही जारी है ।

देश की लगभग १२५ करोड़ आबादी इस बात से पूरी तरह से सहमत है कि देश के सामने सबसे बड़ी समस्या किसानों की दुर्दशा है । देश में किसानों की स्थिति लगातार गिरती जा रही है । पिछले २० वर्षों में लगभग ३ लाख किसानों ने आत्महत्या की है ।

जिस तरह से तमाम राजनीतिक दलों से लेकर मीडिया मंचों पर किसानों की दुर्दशा का चर्चा होता आया है, उसमें समाधान का शायद ही कोई चर्चा होता हो । इससे यही स्पष्ट होता है कि यह समस्या वर्तमान समय में सबसे अधिक सोचनीय है ।

सरकार २०१३ से किसानों की आत्महत्या के आंकड़े जमा कर रही है, इसके मुताबिक हर साल बारह हजार किसान अपनी जिंदगी खत्म कर रहे है । कर्ज में डूबे और खेती से हो रहे घाटे को किसान बर्दास्त नहीं कर पा रहे है ।

भारतीय किसान का जीवन सभ्यता और संस्कृति के इस ऊँचे भवन के नीचे अब फटेहाल और नंगा है । फसल का मुख्य लाभ दलालों द्वारा लूट लिए जाने के कारण उसके फसल का सही मूल्य नहीं मिलता है जिसके कारण उसे गरीबी का जीवन जीना पड़ाता है। सरकार द्वारा किसानों के लिए कई महत्व पूर्ण योजना चलाई जा रही है कि जिससे किसानों को राहत मिले,परंतु योजना का लाभ किसानों तक आते – आते दलालो तक ही अटक जाती है जिसके कारण किसानों को योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है । सरकार को इसकी भी जानकारी रखनी चाहिए कि किसानों को इस योजना का कितना लाभ मिल पा रहा है ।

भारतीय किसान की दशा केवल खेती से नहीं सुधर सकती। खेती का काम बारहों महीने नहीं रहता है । अतः सरकार को चाहिए कि गाँव में छोटे – मोटे उद्योग – धंधे भी स्थापित करने चाहिए, जिनमें खेतो के औजार विशेष रूप से बनने चाहिए। यातायात की सुविधा गाँवों को मिलनी चाहिए, जिससे किसान अपना अनाज बड़ी मंडीयों में बेच सके और बनियों के शोषण से बच सके।

भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों- दिन बदतर होती जा रही है जिसके कारण प्रति वर्ष कितने किसान जीवन जीने के बजाय मजबूर हो जाते है और आत्महत्या करना स्वीकार कर लेते है । दुसरों से उम्मीद रखना ही उन असहाय किसानों को यह लगता है कि यह सरकार नहीं तो अगली सरकार कुछ अच्छा करेगी, पर उनकी उम्मीद खरी नहीं उतर पाती है । जो सरकार द्वारा उचित व्यवस्था नहीं मिल पाती है । सरकार नियम तो बहुत बनाती है पर उन नियमों का पालन नहीं के बराबर होता है । भारत की राजनीति इतनी खराब है कि इसमें अच्छे लोग बहुत ही कम आते है जो उन गरीब किसान की समस्या को सुलझा सके । केवल उनका बहुमुल्य वोट लेकर जीत जाते है फिर उन्हीं को भूल जाते है । इसलिए जनता को अब जागरूक होना चाहिए यदि वे वोट देकर नेता बनाते है तो उनसे काम लेना भी सीखें ।

सरकार को इस बात का भी ध्यान देना चाहिए कि किसानका जो उत्पाद है, वहसकिस प्रकार का है और उसकी उपयोगिता क्या है । जिस क्षेत्र में किसी चीज का उत्पादन अधिक है, उन क्षेत्रों में उत्पाद से सम्बंधित प्रक्रिया इकाइयां लगाई जानी चाहिए जिससे उत्पाद को खराब होने से बचाया जा सके व उसका उचित दाम भी किसानों को मिल सकें । इस व्यवस्था का पूरे देश में नित्तांत अभाव है ।

टीकाकरण की सफलता

वर्ष २०१४ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत शुरू हुआ टीकाकरण अभियान- मिशन इंद्रधनुष- दुनिया के १२ सबसे बड़े स्वास्थ्य अभियानों में शामिल हो गया है. सरकारी आंकड़ा है कि टीकाकरण का दायरा ८३ फीसदी तक जा पहुंचा है. यह आंकड़ा २०१४ में ६७ फीसदी था. अब इसकी पहुंच से सिर्फ दो फीसदी बच्चे ही बाहर हैं. यह प्रगति उत्साहवर्द्धक है. इस सफलता को सिर्फ टीकाकरण और कुछ रोगों की रोकथाम तक ही सीमित कर देखना सही नहीं है, बल्कि यह देश के समूचे स्वस्थ भविष्य में महत्वपूर्ण आयाम है. हमारे देश में सालाना २.७० करोड़ शिशु जन्म लेते हैं. हर एक हजार बच्चों में से करीब ३९ की मौत पांच साल की उम्र से पहले हो जाती है. अध्ययनों ने बताया है कि जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं होता है या आंशिक रूप से होता है, उनकी मौत की आशंका टीकाकृत बच्चे से तीन से छह गुना अधिक होती है. यदि टीकाकरण पर समुचित ध्यान दिया जाता है, तो न सिर्फ शिशु मृत्यु दर कम हो सकती है, बल्कि वे बच्चे बाद की अनेक बीमारियों और अपंगता से बचाये जा सकते हैं. मौजूदा अभियान के केंद्र में वे १२ बीमारियां हैं, जिन्हें टीका देकर रोका जा सकता है. हमारे टीकाकरण अभियान की एक बड़ी चुनौती उपलब्ध टीकों की संख्या बढ़ाना है. दूसरी चुनौती लोगों में जागरूकता का अभाव है. कहीं अंधविश्वास है, तो कहीं सरकारी तंत्र जानकारी नहीं पहुंचा पाता है.

ऐसे मामले भी हैं, जहां माता-पिता ने कुछ टीके लगवाये और कुछ को छोड़ दिया. खराब गुणवत्ता या असरहीन टीकों की शिकायतें भी मिलती हैं. बीते कुछ समय से इंद्रधनुष मिशन को सघनता से चलाया जा रहा है, जिससे अनेक समस्याओं पर काबू पाया जा सका है. इस कोशिश में स्वास्थ्य केंद्रों के साथ आंगनबाड़ी, आशा और दाई समूहों की भी बड़ी भूमिका रही है. मिशन की उत्तरोत्तर बढ़त के लिए यह भी जरूरी है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत वहां अधिक निवेश किया जाये, जहां मिशन इंद्रधनुष के अधिक लाभुक हैं. यदि आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रधानमंत्री बीमा योजना, मिशन इंद्रधनुष और अन्य कार्यक्रमों को समुचित तरीके से अमली जामा पहनाया गया, तो २०३० तक के स्वास्थ्य लक्ष्यों को पूरा किया जा सकेगा. चूंकि स्वास्थ्य का उत्तरदायित्व राज्यों का भी है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल भी अपेक्षित है. टीकाकरण के फायदों के बारे में शहरी और कस्बाई इलाकों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा जानकारी पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए तथा इसमें पारंपरिक मीडिया का इस्तेमाल भी होना चाहिए.

भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़वार के लिए लंबे समय तक स्वस्थ कार्यशक्ति की जरूरत बनी रहेगी. ऐसे में बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना वास्तव में भविष्य के लिए निश्चिंतता का बीमा कराना है. आशा है कि मिशन इंद्रधनुष की मौजूदा उपलब्धियां आगे उत्प्रेरक की भूमिका निभाती रहेंगी.

कर्ज में डूबी दुनिया

तेते पांव पसारिये, जेती लांबी सौर. यह मानव सभ्यता की बुनियादी समझ रही है, परंतु लगता है कि आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं ने इसे भुला दिया है. एक दशक पहले दुनिया को कर्जों के बोझ के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा था और उसके बाद सरकारों की कोशिश थी कि यह बोझ कमतर हो जाये. लेकिन ऐसा नहीं हो सका. बीते दस सालों में वैश्विक कर्ज १६७ ट्रिलियन डॉलर वित्तीय संस्थाओं को अलग कर दें, तो ११३ ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर २४७ ट्रिलियन डॉलर वित्तीय संस्थाओं को अलग कर दें, तो १८७ ट्रिलियन डॉलर हो चुका है. यह दुनिया के कुल घरेलू उत्पादन जीडीपी से ३२० फीसदी यानी करीब तीन गुना ज्यादा है. बीते दशक की तुलना में यह बढ़त ४० फीसदी अधिक है. भारत का कर्ज हमारे जीडीपी से करीब १२५ फीसदी और चीन का कर्ज उसके जीडीपी से २४७ फीसदी ज्यादा है.

पूरी दुनिया में हर स्तर घरेलू, कॉरपोरेट एवं सरकारी पर कर्जे बढ़े हैं. यह संकट गंभीर है. आर्थिक मंदी से उबरने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की कोशिश में खतरों से भरी परियोजनाओं या कारोबार में धन लगाया गया तथा खर्च कम करने के लिए सरकारों ने कल्याणकारी योजनाओं में निवेश में कटौती की. निवेश और बचत की आय से कर्ज चुकौती एक रास्ता है, पर मुश्किल है कि उत्पादक क्रियाओं में निवेश का स्तर बहुत कम है. व्यक्तिगत और पारिवारिक कर्ज का बड़ा हिस्सा उपभोग में खर्च हुआ है. कंपनियों ने ज्यादा धन शेयरों को खरीदने और दूसरी कंपनियों के अधिग्रहण में लगाया है. भारत और चीन जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं तथा अमेरिका और यूरोप की विकसित अर्थव्यवस्थाएं रोजगार और आय में ठहराव से जूझ रही हैं. तीन दशकों की आर्थिक गतिविधियां कर्ज पर आधारित रही हैं. बोझ कम करने की कोशिशों से आर्थिक विकास की गति के कुंद होने का खतरा भी है. कर्ज में डूबी कंपनियों और कर्ज देकर फंसे बैंकों को उबारने के नकारात्मक नतीजे भारत में देखे जा सकते हैं. फंसे हुए कर्ज की वैश्विक मात्रा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में ७५ ट्रिलियन डॉलर तक जा पहुंची है. भारत में निवेश कम होने के कारण सरकारी परिसंपत्तियां अपेक्षाकृत कम सृजित हुई हैं तथा दबाव में चल रही कंपनियों की संख्या भी अधिक है. साल २०१३ में उभरती अर्थव्यवस्थाओं को बड़ा झटका लगा था तथा भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की को डांवाडोल अर्थव्यवस्था कह दिया गया था.

तब चीन अधिक निर्यात और सरकारी परिसंपत्तियों के कारण वह झटका बर्दाश्त कर गया था. संकट की स्थिति में कर्ज के बोझ के कारण वित्तीय नीतियां बनाने में भी दिक्कत आ सकती है तथा अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल से नुकसान पहुंच सकता है. अनिश्चित राजनीति, व्यापार युद्ध और अशांति ने भी इस माहौल में योगदान दिया है. अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संदर्भ में त्वरित पहल करनी होगी, अन्यथा जल्द ही किसी बड़ी मंदी का सामना हो सकता है.

भटकी हुई योजना

यह वाकई चिंता की बात है कि सांसद निधि का सही इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के अनुसार साल २०१४ से अब तक ५४३ में से केवल ३५ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ही सांसद निधि का इस्तेमाल कर स्वीकृत प्रॉजेक्ट पूरे किए गए हैं। परियोजनाओं में विलंब को देखकर केंद्र सरकार इसकी फंडिंग के तरीके में बदलाव पर विचार कर रही है। अभी इसके तहत राशि दो किस्तों में दी जाती है। सरकार एक किस्त में ही राशि आवंटित करने के बारे में सोच रही है। सांसद निधि योजना एमपीलैड स्कीम की शुरुआत १९९३ में हुई, जब पी.वी. नरसिंह राव प्रधानमंत्री थे। इसके तहत सभी एमपी को, चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यसभा के, अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य कराने के लिए प्रतिवर्ष वितीय सहायता दी जाती है। इसका मकसद विकास कार्यों का विकेंद्रीकरण करना था। सोचा गया कि जनहित के वे छोटे-छोटे कार्य जो बड़ी परियोजनाओं में समाहित नहीं हो पाते, इसके जरिए आसानी से कम समय में हो सकेंगे। पर सच?चाई यह है कि इस योजना की राशि जरूर बढ़ती गई, लेकिन इससे जनता को खास लाभ नहीं हो पाया है। इसमें भारी भ्रष्टाचार के भी आरोप लगते रहे हैं। इसलिए एक तबका इसे समाप्त करने की भी सलाह देता है। कुछ सांसद इसके सफल न होने के पीछे नौकरशाही को जिम्मेदार ठहराते हैं। इस योजना की राशि सांसद के खाते में नहीं बल्कि संबंधित जिले के जिलाधिकारी या किसी अन्य नोडल अधिकारी के खाते में जाती है। वित्त वर्ष के शुरू होने के पहले यह राशि २.५ करोड़ रुपये की दो किस्तों में भेजी जाती है। सांसद, जिलाधिकारी को बताता है कि उसे जिले में कहां-कहां इस राशि का उपयोग करना है। ऐसी व्यवस्था इसलिए की गई कि कोई एमपी मनमाने ढंग से इसे खर्च न कर सके। लेकिन सांसदों का कहना है कि जिला-प्रशासन के रवैये के कारण प्रॉजेक्ट लटकते हैं।

गंगा का पानी ३९ में से केवल एक जगह साफ'

नई दिल्ली : केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपने ताजा अध्ययन में कहा है कि जिन ३९ जगहों से होकर गंगा नदी गुजरती है, उनमें से एक स्थान पर इस साल मॉनसून के बाद गंगा का पानी साफ था। 'गंगा नदी जैविक जल गुणवत्ता आकलन (२०१७-१८)' की रिपोर्ट के अनुसार गंगा बहाव वाले ४१ स्थानों में से करीब ३७ पर इस वर्ष मॉनसून से पहले जल प्रदूषण मध्यम से गंभीर श्रेणी में रहा।

US: ८ लाख बिना सैलरी काम करने को मजबूर

वॉशिंगटन: ट्रंप प्रशासन के दौर में एक साल में तीसरी बार कामबंदी (शटडाउन) हो गई है। यहां शुक्रवार रात से शटडाउन शुरू हुआ जिसका मतलब है कि इस दौरान करीब ८ लाख सरकारी कर्मचारियों को या तो जबरन छुट्टी दी जाएगी या फिर क्रिसमस की छुट्टियों के बीच बिना वेतन काम पर बुलाया जाएगा।

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर,इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो. ९८२१२८७९०५, ९३२२२४८३५३-९१६७००९६२९

Email : metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP

5 Year - 1000 Life time - 3000

Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। संपादक - दीनानाथ एम. तिवारी, **कार्यकारी संपादक-** कर्ण हिन्दुस्तानी, **उपसंपादक-** शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल **संरक्षक-** वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - **चीफ एड डिपार्टमेन्ट-** निलेश पांडे **वितरक-**सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, **संपर्क : टेलीफैक्स** 022-29656280, **मो.** 9821287905,9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

मामूली सी बात पर किया था युवक का कत्ल

दिल्ली, बात करीब दो माह पुरानी है. राजधानी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में मामूली सी बात पर एक नौजवान को आधी रात के वक्त गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया था. मामला कत्ल का था, लिहाजा पुलिस ने तेजी से मामले की छानबीन शुरू की. पुलिस कातिलों का सुराग लगाने की कोशिश कर रही थी. मगर कुछ हाथ नहीं आ रहा था. कत्ल की ये गुत्थी सुलझती जा रही थी.

कुछ दिनों बाद आखिरकार कानून के हाथ क़ातिल तक जा पहुंचे. दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसके बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि आरोपी कातिल गाज़ियाबाद का शातिर बदमाश है. फिर मामले की पर्तें खुलना शुरू हुईं. पुलिस के मुताबिक आरोपी बदमाश वारदात की उस रात मयूर विहार के एक स्टोर पर पहुंचा था. वहीं मक्तूल योगेश भी कुछ सामान लेने आया था. न जाने किस बात पर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी. इसी दौरान योगेश ने आरोपी की कार का शीशा तोड़ दिया. फिर क्या था आरोपी पिस्तौल निकाली और गुस्से में गोली चला दी. गोली सीधी मक्तूल को जाकर लगी और वो हमेशा के लिए मौत की नींद सो गया. पुलिस ने जांच और पूछताछ

के बाद जो खुलासा किया वो भी हैरान करने वाला था. पुलिस के मुताबिक मयूर विहार में एक डिपार्टमेंटल स्टोर के बाहर महज़ कंधा टच होने और पार्किंग के झगड़े में ये कत्ल हुआ. जिसे सिद्धांत वर्मा नामक शातिर बदमाश ने अंजाम दिया. वह गाजियाबाद का ही रहने वाला है. दरअसल, पुलिस ने कत्ल की इस गुत्थी को सुलझाने के लिए लोकल इंटेलिजेंस, टेक्नीकल सर्विलांस और दूसरे सुराग़ों की मदद ली. जब जाकर शातिर बदमाश सिद्धांत गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में ना सिर्फ़ उसने गुस्से में योगेश नाम के लड़के का क़त्ल करने के बाद कुबूल कर ली, बल्कि ये भी बताया कि उस रात योगेश से लड़ाई के बाद उसने योगेश को डराने के लिए एक डायलॉग भी मारा था. उसने कत्ल से पहले योगेश से कहा था कि 'जितनी तेरी उम्र नहीं है, उससे ज़्यादा मुझपे केस लगे हैं.'

वैसे इस छंटे हुए बदमाश का ये जुमला अपनी जगह था, क्योंकि इस पर इस क़त्ल से पहले भी जुर्म के तीस से ज़्यादा मामले दर्ज हैं. पांडव नगर पुलिस के मुताबिक ९ नवंबर की रात करीब १ बजे सिद्धांत नामक बदमाश 24X7 नाम के एक डिपार्टमेंटल स्टोर के बाहर खड़ा था. वो अपनी कार में एक दोस्त के साथ वहां कुछ खाने पहुंचा था. तभी योगेश वहां अपने बीमार भाई के लिए कुछ खरीदने पहुंचा. इसी दौरान पहले दोनों के बीच गाड़ी की पार्किंग को लेकर झगड़ा हुआ और फिर स्टोर के गेट पर दोनों का कंधा एक-दूसरे से टच हो गया. बस इसी बात पर दोनों में विवाद कुछ इतना बढ़ा कि योगेश ने गुस्से में आकर वहीं पड़ी एक रॉड से सिद्धांत की कार का शीशा तोड़ दिया. इससे सिद्धांत इतना गुस्सा हुआ कि उसने योगेश पर पांच गोली चलाई और फ़रार हो गया.

उधर, योगेश के दोस्त उसे लेकर अस्पताल पहुंचे. उसे दो गोली लगी थी और डॉक्टरों ने उसे मुर्दा करार दे दिया. क़त्ल की इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी. पुलिस के मुताबिक २४x७ के बाहर लगे कैमरों की सीसीटीवी फुटेज, लोकल नेटवर्क और दूसरे इनपुट के ज़रिए पुलिस को सिद्धांत का पता चल पाया. सिद्धांत ने पुलिस से बचने के लिए अपनी दाढ़ी मुड़वा ली थी और गाड़ी का नंबर प्लेट भी चेंज कर ली थी. लेकिन आखरिक़ार वो पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया. बहरहाल, अब पुलिस ने इस मामले को तो सुलझा लिया है. लेकिन योगेश के घरवालों का ज़ख्म अब कभी नहीं भरेगा. योगेश शादीशुदा था और उसे एक बेटी भी है, जबकि उसकी वाइफ़ प्रेग्नेंट है. ऐसे में महज़ गुस्से ने एक पूरे के पूरे परिवार को तबाह कर दिया.

४ माह की मासूम बेटी को मारकर पति से बोली पत्नी-सबको दे दी मुक्ति

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने ही अपनी मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया. मृतक बच्ची केवल चार माह की थी. आरोपी मां ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है. महिला के पति ने पुलिस को बताया कि वो पहले भी बेटी को मारने की धमकी दे चुकी थी. वारदात लखनऊ की रवींद्र विहार कॉलोनी की है. जहां बृजनंदन तिवारी अपनी पत्नी शुभ्रा के साथ रवींद्र अपार्टमेंट में रहते हैं. मंगलवार की सुबह बृजनंदन ने पुलिस को फोन करके बताया कि उसकी पत्नी ने उसकी ४ वर्षीय बेटी का कत्ल कर दिया है. पुलिस मौके पर जा पहुंची तो देखा कि उनके कमरे में बेड पर बच्ची की लाश पड़ी थी. उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था.

पुलिस ने बृजनंदन तिवारी की शिकायत पर उसकी पत्नी शुभ्रा को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी मां ने पुलिस को बताया कि उसने पहले बच्ची के मुंह में कपड़ा ठूंसा और फिर उसकी नाक दबाकर बंद कर दी. जिससे मासूम ने दम तोड़

दिया. सोमवार की रात शुभ्रा अपनी बेटी अद्विता के साथ कमरे में सोई थी जबकि उसका पति बृजनंदन बाहर के कमरे में सो रहा था. बृजनंदन तिवारी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह उसकी पत्नी शुभ्रा ने कमरे से बाहर आकर उसे बताया कि उसने बेटी को मारकर सबको मुक्ति दे दी है. जब उसने बेटी की लाश देखी और पुलिस को फोन किया. पूछताछ में शुभ्रा ने पुलिस को बताया कि वह अच्छी मां नहीं बन सकी इसलिए मासूम बेटी को मार डाला. पुलिस के अनुसार वर्ष २००९ में बृजनंदन और शुभ्रा ने लव मैरिज की थी. इसके बाद तीन बार शुभ्रा का गर्भपात हुआ था. इसके बाद उसने बेटी को जन्म दिया था. पुलिस के मुताबिक शुभ्रा डिप्रेशन का शिकार थी. हालांकि पुलिस कई एंगल से इस मामले की छानबीन कर रही है.

सस्ते में IPhone खरीदने के चक्कर में फंसी महिला, सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने ऐसा दिया धोखा

मुंबई। हाल ही में माटुंगा पुलिस ने २२ साल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है जिसने कथित रूप से एक फैशन डिजाइनर को आईफोन की फर्स्ट कॉपी को सस्ती कीमत में बेचने के बहाने २१,००० रुपए की धोखाधड़ी की। पकड़े गए आरोपी की पहचान भाविक चंदगेरा के रूप में हुई है। उसने फेसबुक पर फोन के बारे में पोस्ट किया था और अपनी वेबसाइट पर एक लिंक दिया था।

अक्टूबर में दादर की रहने वाली २३ साल की फैशन डिजाइनर ने फेसबुक पर एक वेबसाइट एंटिक फैशन हब के बारे में एक एड देखा। उसने वेबसाइट पर दिए नंबर पर संपर्क किया जिसमें कहा गया था कि लेटेस्ट आईफोन मॉडल्स की पहली कॉपी बेची जा रही है। उसने पुलिस में दिए अपने बयान में कहा कि उसे इंस्टॉलमेंट्स में २१,४०० रुपए का भुगतान करने को कहा गया था। २ अक्टूबर को उसने पेटीएम के जरिए १०,४०० रुपए ट्रांसफर कर दिए। ४ अक्टूबर को

५,००० रुपए और उसके बाद ६,००० रुपए की आखिरी इंस्टॉलमेंट भी दे दी। जब उसे फोन नहीं मिला तो उसने एड में दिए नंबर पर कॉल किया। फोन पर उसे आश्वस्त किया कि उसे फोन की जल्दी डिलिवरी मिल जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तब उसे संदेह हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तब माटुंगा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईपीसी की धारा ४१९, ४२० और आईटीएक्ट के तहत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने वेबसाइट पर दिए सभी नंबरों को निगरानी में रखा और २० दिसंबर को आरोपी की लोकेशन गुजरात के राजकोट में मिली। आरोपी २१ साल का भावित चंदगेरा है। माटुंगा पुलिस स्टेशन की सब-इंस्पेक्टर मारुति शेलके ने कहा कि उन्हें इस सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने सस्ते दरों पर प्रोडक्ट्स की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। वह जल्दी पैसा कमाना चाहता था और उसने भारत और विदेश में कई लोगों को धोखा दिया है।

अवैध शिकार के आरोप में गोल्फर ज्योति रंधावा यूपी के बहराइच में गिरफ्तार

मुंबई। मशहूर भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा को अवैध शिकार के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है. शिकार का यह केस उत्तर प्रदेश के बहराइच का है, जिसके आरोप वहां रंधावा की गिरफ्तारी की गई है. रंधावा के पास से एक राइफल भी बरामद की गई है. इसके अलावा जानवर की खाली भी जब्त की गई है.स्थानीय प्रशासन के अनुसार ज्योति रंधावा अपने एक साथी महेश के साथ बहराइच के जंगल में मौजूद था.

यहां वन विभाग की टीम ने संदिग्ध गतिविधि देखते हुए उनकी गाड़ी रोकी तो इसका खुलासा हुआ. जांच पड़ताल में ज्योति रंधावा की गाड़ी से एक राइफल बरामद हुई. साथ ही सांभर नाम के जानवर की खाल और एक जंगली मुर्गा बरामद हुआ. हाल ही में रंधावा को महाराष्ट्र के यवतमाल में आदमखोर बाघिन को तलाशने वाली टीम में शामिल किया गया था. बाघिन की तलाश के लिए बनी विशेष डॉग टीम का नेतृत्व ज्योति रंधावा ने ही किया था. इसके लिए उन्हें विशेष तौर पर दिल्ली से यवतमाल बुलाया गया था. अब वह खुद अवैध शिकार के आरोप में फंस गए हैं. फिलहाल, पुलिस ने उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

२ नई महिला विशेष लोकल

मुंबई, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर मंगलवार २५ दिसंबर से दो नई महिला विशेष उपनगरीय सेवाएं चलाई जा रही हैं। इन दो नई सर्विस के साथ ही पश्चिम रेलवे पर महिला विशेष ट्रेनों की कुल संख्या १० हो जाएगी। पश्चिम रेलवे पर ५ मई १९९२ को विश्व की पहली लेडीज स्पेशल चलाई गई थी। मुंबई की चर्चगेट और बोरीवली के बीच शुरू हुई इस सेवा को १९९३ में विरार तक विस्तारित किया गया था। पश्चिम रेलवे अप और डाउन लाइनों के बीच सुबह के और शाम के पीक ऑवर के दौरान रोजाना ८ लेडीज स्पेशल ट्रेनें परिचालित करती है। नई लेडीज स्पेशल के साथ कुल १० लेडीज स्पेशल सेवाएं परिचालित होंगी, जिनमें से ६ सेवाएं अप दिशा की और ४ सेवाएं डाउन दिशा की रहेंगी।

दोनों नई सेवाएं धीमी गति की होंगी, जिनमें से एक सेवा ०९.०६ बजे भाईंदर से छूट कर १०.३० बजे चर्चगेट पहुंचेगी और दूसरी लेडीज स्पेशल १०.०४ बजे वसई रोड से छूट कर ११.३० बजे चर्चगेट पहुंचेगी। इन नई सेवाओं के कारण ०८.४४ बजे विरार से छूटने वाली लेडीज स्पेशल १२ मिनट देरी से यानी संशोधित समय ०८.५६ बजे छूटेगी।

दो नई लेडीज स्पेशल ट्रेनों के परिचालन को समायोजित करने के क्रम में २५ दिसंबर से ही चर्चगेट स्टेशन से दो अन्य सेवाएं चलाने का फैसला किया गया है। ११.३३ बजे चर्चगेट से छूटने वाली तेज गति लोकल १२.४८ बजे नालासोपारा पहुंचेगी। एक अन्य अतिरिक्त सेवा २३.०९ बजे चर्चगेट से छूटने वाली धीमी गति की लोकल होगी, जो ००.२८ बजे भाईंदर पहुंचेगी, जबकि बांद्रा और चर्चगेट के बीच वर्तमान में चलने वाली दो उपनगरीय सेवाएं रद्द होंगी।

२ देशी कट्टे,कारतुस के साथ ३ गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई दिंडोशी पुलिस ने ३ ऐसे लोगो को गिरफ्तार किया है जो अक्सर यूपी के गाजीपुर से हथियार लाकर मुंबई में बेचने का काम करते थे।

आपको घटना की जानकारी दे दें कि २० दिसंबर को दिंडोशी पुलिस में कार्यरत सहायक पुलिस उपनिरीक्षक योगेश कनेकर एवं सहायक पुलिस निरीक्षक (डिटेक्शन) विजय जाधव को खबर मिली कि कुछ लोग दिंडोशी पुलिस की हद में सांझा होटल के पास हथियार लेकर आने वाले है। जो बेचने के इरादे से आने वाले है। इस प्रकार की जानकारी मिलते ही दिंडोशी पुलिस के अधिकारी योगेश कनेकर, विजय जाधव व ऑफिसर पारने के साथ अन्य डिटेक्शन की टीम ने मौके पर जाल बिछाकर, ३ लोगो को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया जिनके पास से २ देशी कट्टा और २ जिंदा कारतूस बरामद किया है। वही पुलिस द्वारा पूछताछ में पता चला कि आरोपी अक्सर यूपी गाजीपुर का रहने वाला है और वहां से हथियार लाकर मुंबई में बेचने का काम करता है।

डायमंड ब्रोकर ने ३० करोड़ रुपए कीमती डायमंड का लगा दिया चुना

मुंबई, मुंबई पुलिस के बीकेसी पुलिस ने दिनाक १८ दिसंबर को एक डायमंड ब्रोकर के खिलाफ ३० लोगो को ३० करोड़ रुपए कीमती डायमंड का चुना लगाने के मामले में डायमंड ब्रोकर और उसके साथीदार के खिलाफ मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सूत्र ने बताया कि मामला दिनाक १८ दिसंबर के दिन डायमंड व्यापारियों ने पुलिस स्टेशन में आकर मुख्य आरोपी यतीन मखेकिया के खिलाफ चीटिंग का मामला दर्ज करवाया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड कानून सहित धारा ४२०, ४०९, के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए ढूंढने लगी। काफ़ी तफ्तीश के मुख्य आरोपी यतीन का साथीदार विजय परमार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने परमार को मुंबई के कांदिवली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद पूछताछ में परमार ने पुलिस को बताया कि यतीन ने कुछ करोड़ रुपए के डायमंड उसके पास दे रखे थे ताकि अगर कोई मुसीबत खड़ी हुई तो उसे बेच कर अपनी तकलीफ दूर कर ले मगर परमार को पता नहीं चला कि उसे साथीदार यतीन के खिलाफ व्यापारियों पुलिस स्टेशन एफआईआर दर्ज करवाया है। विजय परमार की गिरफ्तारी के बाद से मुख्य आरोपी फरार चल रहा है। वही पुलिस परमार को कोर्ट में पेश किया जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी परमार को २८ दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। वही इस मामले का मुख्य आरोपी फरार चल रहा है। जिसको मुंबई पुलिस की बीकेसी पुलिस तलाश कर रही है। वही दूसरा आरोपी विजय परमार पुलिस हिरासत में है।

दिल्ली में सनकियों ने करीब २० गाड़ियों में लगा दी आग, आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली, दिल्ली में दो सनकियों ने करीब २० गाड़ियों में आग लगा दी. मामला डाबड़ी थाना के महावीर इंक्लेव पार्ट ३ का है. यहां बुधवार तड़के एक के बाद एक करके करीब २० गाड़ियों में आग लगा दी, जिसमें अधिकतर टू व्हीलर्स हैं. घटना से लोगों में हड़कंप है और नाराज लोग सड़कों पर उतर आए. आग लगाने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. सीसीटीवी फुटेज में दो युवकों ने महावीर इंक्लेव पार्ट ३ के पूरे इलाके में खड़ी स्कूटी, बाईक, कार को जला दिया. इस आग की चपेट में आने से एक घर के बाहर तो बिजली का मीटर और तार भी जल गए. इलाके में अफरा तफरी मच गई. लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद सुबह पुलिस आई और फिर दिन के उजाले में आने की बात कह कर गई तो फिर ११ बजे तक आई नहीं. लोगों का आरोप है कि पहले भी कई बार आग लगने की घटना हुई, लेकिन पुलिस ने कुछ भी नहीं किया.

ठगी के कॉल सेंटर पर पुलिस का छापा, १२५ लोग गिरफ्तार

नोएडा:नोएडा पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मार कर १२५ लोगों को गिरफ्तार किया है. ये लोग नोएडा से भारत के तमाम राज्यों के अलावा अमेरिका भी फोन करते थे, और खुद को सोशल सिक्योरिटी एजेंसी का बताते थे. पैसा कमाने के लिए ये लोगों को अलग-अलग तरीकों से डराते थे. किसी को कहा जाता कि उसके बैंक अकाउंट में गड़बड़ी है और कुछ समय बाद उनका पूरा अकाउंट डिलिट हो सकता है. किसी को कहा जाता कि उसके कम्प्यूटर में खतरनाक वायरस अटैक हो गया है जिसकी वजह से उसका सारा डाटा चोरी या फिर गायब हो सकता है.

अपने बातचीत के जरिए ये लोगों के मन में इस तरह का खौफ बैठा देते जैसे कि अगर उनलोगों ने इनकी बातें नहीं मानी तो उनका बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है. लोगों के मन में डर बिठाने के बाद ये लोग कहते की इनका काम सोशल सिक्योरिटी देना है, लिहाजा अगर वो उनकी फीस अदा कर देंगे तो वो उनका काम कर देंगे. कुछ लोग तो इनकी बातों में नहीं आते, लेकिन कई लोग इनकी ठगी के शिकार बन भी जाते. ऐसे मासूम लोगों से ये कॉल सेंटर वाले मोटी रकम ऐंठ लेते.

नोएडा पुलिस को इनके खिलाफ कई शिकायतें मिल रही थी. आखिरकार पुलिस ने इन पर नजर रखनी शुरू की तो पुलिस को पता चला कि ये गोरखधंधा थाना फेज तीन के सेक्टर-६३ से चल रहा है. इसके बाद पुलिस ने एक टीम बनाई और इनके कॉल सेंटर छापा मारा. कॉल सेंटर पर छापे के दौरान यहां पर १२५ लोग मौजूद थे. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये गैंग कितना बड़ा था, और इसका कामकाज कितना लम्बा था. पुलिस ने सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, इसके अलावा २०० कम्प्यूटर भी जब्त कर लिए हैं.

पुलिस को इस कॉल सेंटर से २० लाख रुपये कैश भी मिले हैं. पुलिस का कहना है कि कॉल सेंटर के नाम पर कई बैंक अकाउंट हैं जिसमें ये पैसे मंगवाते थे. पुलिस अब इन खातों की डिटेल निकलवा रही है, ताकि इनकी ठगी के शिकार हुए लोगों का पता लगाया जा सके. पुलिस ने इस कॉल सेंटर के संचालक को भी गिरफ्तार किया है, अब उससे पूछताछ की जा रही है.

कविता

तितली रानी बड़ी सयानी,
फूलों पर मंडराती हैं।
फूलों का रंग ले-ले कर,
अपने पंख सजाती हैं।

तितली रानी बड़ी सयानी,
फुलों पर दौड़ लगाती है।
अपने प्यारें पंखुड़ीयों से,
बच्चों को ललचाती है।

रस का स्वादन कर करके,
मजे खूब उड़ाती हैं।
नाजुक सी पंखो को लेकर,
बच्चों को ललचाती है।

हर्षित होकर बच्चे सारे,
पिछे भागे जाते हैं ।
पकड़ न पाते जब तितली को,
मुँह लटकाकर आतें हैं।

तितली रानी सबकी प्यारी,
सबके मन को भाती हैं।
इधर उड़ी-फिर उधर-उड़ी,
हाथ नहीं वो आतीं हैं।

हर्ष अजय दुबे
कक्षा – सातवीं
गुरूकुल इंग्लिश हाई स्कूल
गाला नगर, नालासोपारा
(पूर्व) जिला – पालघर
४०१२०९(महाराष्ट्र)

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सज्जन कुमार

कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार ने १९८४ के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दोषी ठहराने और उम्रकैद की सजा देने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. दंगा पीड़ितों के प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का ने कहा कि शीर्ष अदालत रजिस्ट्री ने उन्हें बताया कि सज्जन कुमार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर की है.

उन्होंने कहा कि दंगा पीड़ित इस मामले में सज्जन कुमार के पक्ष में एकतरफा सुनवाई रोकने के लिए 'कैविएट' पहले दायर कर चुके हैं. हाईकोर्ट ने सज्जन कुमार को राजनगर क्षेत्र में १९८४ के सिख विरोधी दंगों के संबंध में इस साल १७ दिसंबर को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी.

यह मामला एक-दो नवंबर १९८४ को दक्षिण पश्चिम दिल्ली की पालम कॉलोनी के राजनगर पार्ट एक क्षेत्र में पांच सिखों की हत्या और राजनगर पार्ट दो में गुरुद्वारे को जलाने से जुड़ा है. ये दंगे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ३१ अक्टूबर को उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या करने के बाद हुए थे. शुक्रवार को हाईकोर्ट ने सजा के सिलसिले में आत्मसमर्पण के लिए सज्जन कुमार को ३० जनवरी तक का समय देने से इंकार कर दिया था. जस्टिस एस मुरलीधर और जस्टिस विनोद गोयल की पीठ ने कहा था कि उसको सज्जन कुमार को राहत देने के लिए कोई आधार नहीं दिखता है. समाचार एजेंसी भाषा के मुताबिक अदालत ने पूर्व कांग्रेस नेता से ३१ दिसंबर तक आत्मसमर्पण करने को कहा था.

कुमारी विद्या हाई स्कूल में जाँच शिबिर सम्पन्न,हजारों जनता को मिला लाभ

विनोद तिवारी

नालासोपारा : श्री तुंगारेश्वर महादेव सेवा समिति(रजि.)भाईंदर द्वारा आयोजित जनसेवा संस्था अध्यक्ष कमलाकर पाटील के मार्गदर्शक में नालासोपारा पूर्व धानिव गांव स्थित कुमारी विद्या मंदिर हाई स्कूल में मेडिकल कैम्प कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है जिसमें हजारों की संख्या में लोग बढ़ चढ़ भाग लेते हुए उसका पूरा लाभ लिये है। जिसमें आँख का जाँच,चश्मा व मोती बिंद का ऑपरेशन, महिलाओं के सभी रोग की जाँच,गुप्त रोग की जाँच,ई सी जी ब्लडसुगर, ब्लडप्रेशर का जाँच,हृदय रोग की जाँच, दांत रोग की जाँच, नाक, कान, गला की जाँच व कान की मशीन मुफ्त, हड्डी रोग की जाँच, फिजियोथेरेपी, जनरल रोग की जाँच कर मुफ्त दवाई वितरण किया गया।

श्री तुंगारेश्वर महादेव सेवा समिति ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे है जिनमें शिव प्रसाद पोद्दार

ट्रस्टी, कैलाश अग्रवाल अध्यक्ष,नव रतन नाहट कोषाध्यक्ष,रमाकांत पोद्दार, महासचिव व कार्यक्रम संयोजक, जानसेवा संस्था अध्यक्ष कमलाकर पाटील मार्ग दर्शक के रूप में शामिल रहे है। इस मेडिकल कैम्प में कुमारी विद्या मंदिर हाई स्कूल के संस्थापक रामशेष यादव का पूर्ण सहयोग प्रदान हुआ है।

अस्पताल की आग में बच्ची खोने वाले कपल को मिला १० लाख मुआवजा

मंजु तिवारी

मुंबई, मुंबई के अंधेरी में मरोल स्थित ईएसआईसी कामगार अस्पताल की आग में विरार कपल ने अपनी बच्ची गवां दी थी। विभाग ने बच्ची के माता-पिता को दस लाख की जगह दो लाख रुपये मुआवजा दिया था। अधिकारियों ने उनसे कहा था कि बच्ची वैसे भी मर ही रही थी। यह मामला मीडिया में आने के बाद विभाग ने अपनी भूल मानी और बच्ची के माता-पिता को दस लाख रुपये का चेक सौंपा। मरोल अस्पताल में यह आग १७ दिसंबर को लगी थी। यहां पर विरार के कपल अनिल और ललिता के जुड़वां बच्चे भी भर्ती थी। वेंटिलेटर पर रखी बच्ची को लगभग ४५ मिनट तक बिना वेंटिलेटर के रखा गया। आरोप है कि इसके चलते बच्ची की मौत हो गई थी। हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को विभाग ने दस-दस लाख रुपये मुआवजा दिया जबकि बच्ची के माता-पिता को सिर्फ दो लाख का चेक यह कहते हुए दिया गया कि बच्ची पहले से ही मर रही थी। ESIC के ऐडिश्नल कमिश्नर संजय कुमार सिन्हा ने सफाई देते हुए कहा कि जब चेक तैयार किए जा रहे थे तब बच्ची घायल थी। उसकी मौत के सूचना विभाग को नहीं दी गई थी इसलिए बच्ची के परिजनों को घायल के मुआवजे वाला चेक दिया गया। विभाग ने भूल सुधार ली है और बच्ची के परिजनों के लिए दस लाख रुपये का चेक तैयार कर लिया गया है। अनिल और ललिता ने बताया कि उनकी बच्ची की मौत २२ दिसंबर को हुई थी उन्हें आश्चर्य है कि २५ दिसंबर की लिस्ट में

उसका नाम घायलों में ही था। हालांकि बच्ची के माता-पिता ने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें दो लाख मुआवजा देकर उसी में संतुष्ट होने को कहा था। संजय कुमार ने कहा, 'जब एक बार मुआवजे की घोषणा हो जाती है तो हर पीड़ित को निर्धारित मुआवजा दिया जाता है। उसे कोई नहीं काट सकता है। मुआवजा देने की एक प्रक्रिया होती है जो हमें फॉलो करनी पड़ती है। सामान्यता हमें तहसीलदार के दफ्तर से लिस्ट मिलती है। हम उस लिस्ट की डिटेल अस्पताल की डिटेल के साथ चेक करते हैं। क्योंकि हम मुआवजा बांटने में देरी नहीं करना चाहते थे इसलिए हमें तहसीलदार से जो लिस्ट मिली हमने उसी के आधार पर मुआवजा बांटा। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि ११ मृतकों में से आठ पीड़ित परिवारों को मुआवजे का चेक दिया गया है। बाकी की जो तीन मौतें बाद में हुईं इसलिए उन्हें मुआवजा नहीं मिला है।' बच्ची का जन्म एंघ्य हॉस्पिटल में १४ दिसंबर को हुआ था। जन्म के समय बच्ची का वजन ८०० ग्राम था जबकि उसके जुड़वां भाई का वजन १.५ किलो था। तीन दिन अस्पताल के एनआईसीयू में रहने के बाद बच्ची का वजन घटकर ६५० ग्राम हो गया। बच्ची की मां ने कहा, 'एंघ्य के डॉक्टरों ने हमें उस समय कहा था कि कई मामलों में ५०० से ६०० ग्राम बच्चों की जान बचाई जा चुकी है इसलिए उनकी बच्ची की जान एनआईसीयू में अच्छे इलाज से बचाई जा सकती है।' अस्पताल में आग लगने के बाद उनकी बेटी को वेंटिलेटर से हटा दिया गया। उसे एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान लगभग ४५ से ६० मिनट तक वह वेंटिलेटर से दूर रही। ललिता ने बताया कि शादी के छह साल बाद आईवीएफ के जरिए उसने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था।

अपने स्कूल की छात्राओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी दृष्टिहीन बहादुर लड़की

वी. बी. मानिक

मुंबई, पिछले हफ्ते लोकल ट्रेन में सफर के दौरान खुद से छेड़खानी करने वाले युवक को पकड़ पुलिस के हवाले करने वाली दृष्टिहीन बालिका अपने स्कूल की छात्राओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी है। बुधवार को स्कूल प्रशासन ने बालिका और उसके पिता को सम्मानित किया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने तालियां बजाकर बालिका का उत्साहवर्धन किया। बहादुर बालिका पिछले साढ़े चार महीनों से मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले रही थी जो उसके काम आ गई। साहसी लड़की के पिता ने बताया, 'मुझे अपनी बेटी की बहादुरी पर गर्व है। अब मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि भविष्य में वह खुद की सुरक्षा कैसे करेगी। छेड़खानी करने वाले युवक के खिलाफ वह जल्द ही कोर्ट जाएंगे क्योंकि वह उन पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा है। उसे अपने किए की बड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि जीवन में फिर कभी वह किसी लड़की के साथ छेड़खानी कर सके।'

जन्म से ही देखने में अक्षम

चार बहनों में सबसे छोटी यह बालिका जन्म से ही देखने में अक्षम है। पांच साल की उम्र में माता-पिता ने सामान्य स्कूल में उसका नाम लिखवा दिया। घरवाले दिव्यांग बच्चों के लिए चलाए जाने वाले स्कूलों के बारे में नहीं जानते थे। क्लॉस ६ से पिता उसे स्कूल छोड़ने और ले जाने के लिए आने लगे। गत १७ दिसंबर को वह अपनी बेटी के साथ घर जाने के लिए दादर स्टेशन पर लोकल ट्रेन में चढ़े।

इस बीच एक युवक भी पीछे से कोच में चढ़ा और बालिका के पीछे खड़े होकर उसे गलत तरीके से छूने लगा। बालिका ने तत्काल पीछे मुड़ आरोपी के हाथों को मरोड़ दिया। यह देख उसके पिता ने युवक को झापड़ मार दिया। इससे नाराज होकर वह उनसे बहस करने लगा। इस दौरान अन्य यात्रियों ने आरोपी को पकड़कर रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी विशाल सिंह कम्प्यूटर मेंटेनेंस का काम करता था। बालिका ने बताया, 'मौके पर पहुंचे अधिकारियों का व्यवहार उसके और पिता के लिए बहुत अच्छा था। सीनियर इंस्पेक्टर ने उससे कहा कि वह उनकी छोटी बहन जैसी है। पुलिस ने बताया कि विशाल सिंह पहले भी चर्चगेट स्टेशन पर एक महिला से छेड़खानी कर चुका है। यह सुनना बेहद डरावना था।'

चुप न बैठें लड़कियां

उसने लड़कियों को खुद के साथ गलत होने पर चुप न रहने की सलाह दी और कहा कि अपराधियों के खिलाफ लड़ना जरूरी है। लड़कियों को आत्मरक्षा के गुर भी सीखने चाहिए। ट्रेन में सफर करते समय हमेशा सेफ्टी पिन साथ में रखें ताकि ऐसी घटनाओं के समय हथियार के रूप में प्रयुक्त हो सके। पुलिस हमेशा आपकी मदद के लिए तैयार है, ऐसे में लड़कियां शिकायत जरूर दर्ज कराएं।'

लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी का दामन छोड़ सकते हैं एकनाथ खड़से

मुंबई, राज्य में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से ने भाजपा छोड़ने के संकेत दिए हैं। जमीन घोटाले के आरोपों के बाद राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद पार्टी में हाशिए पर फेंक दिए गए खडसे ने बुधवार को कहा, 'कोई भी एक ही पार्टी का ठप्पा लगाकर जीवन भर वहां नहीं रह सकता। राजनीति में किसी को भी हलके में नहीं लेना चाहिए।' खड़से ने कहा कि सही वक्त आने पर अन्याय का विरोध किया जाना चाहिए, तभी सामने वाले को व्यक्ति की ताकत का अहसास होता है। खड़से के साथ कार्यक्रम में शिरकत कर रहे कांग्रेस के नेता उल्लास पाटील ने खड़से को कांग्रेस में शामिल होने का न्योता भी दे डाला।

बता दें कि खड़से का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) दावा कर रही है कि भाजपा के कई नेता पार्टी छोड़ने के मूड में हैं और लोकसभा चुनाव का ऐलान होते ही भाजपा छोड़ सकते हैं।

'ठाकरे' फिल्म को लेकर शिवसेना और सेंसर बोर्ड में ठनी

सुरेश वाकडे

मुंबई, आइमेक्स थिएटर में बुधवार को बड़े गाजे-बाजे के साथ दिवंगत शिवसेना प्रमुख बालसाहेब ठाकरे के जीवन पर बनी फिल्म 'ठाकरे' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। फिल्म हिंदी और मराठी दो भाषाओं में २५ जनवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फिल्म में ठाकरे की भूमिका निभाने वाले अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ उनकी पत्नी की भूमिका निभाने वाली अमृता राव, फिल्म के निर्देशक अभिजीत पेंडसे, फिल्म के

लेखक-निर्माता और शिवसेना सांसद संजय राउत और शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे भी उपस्थित थीं।

बालासाहेब ठाकरे पर बनी यह फिल्म उस वक्त से ही चर्चा में रही है, जब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इसका फर्स्ट लुक जारी किया था। उसके बाद फिल्म के सेंसर बोर्ड के निशाने पर आने की खबरें आईं हैं। सेंसर बोर्ड ने फिल्म के तीन डायलॉग पर आपत्ति जताकर उन्हें काटने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन तीन में से दो संवाद दक्षिण भारतीयों के संबध में कहे गए हैं, जबकि एक अयोध्या के विवादित ढांचे (बाबरी मस्जिद) से जुड़ा है।

संजय राउत सेंसर बोर्ड से दो-दो हाथ करने के मूड में हैं और उन्होंने ये संवाद हटाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, कोई भी फिल्म पर प्रतिबंध नहीं लगा सकता। यह बालासाहेब ठाकरे की कहानी है। कैसे कोई उसे रोक सकता है? बालासाहेब ने अपने समय में कई लोगों पर प्रतिबंध लगाया। क्या आपलोग इसे भूल गए? कैसे सीबीएफसी यह निर्णय कर सकती है कि बालासाहेब की जिंदगी में क्या सही था या क्या गलत था? केवल परिवार के लोग यह जानते हैं। राउत ने कहा, 'मैं निश्चिंत हूं कि सेंसर बोर्ड बालासाहेब के दृष्टिकोण को समझेगा। वे समय लेंगे, लेकिन वे समझ जाएंगे।'

'मोदी, ममता करते है भावनाओं से खिलवाड़'

कोलकाता : आल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) के नेता कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी एवं बनर्जी, दोनों क्रमशः हिन्दू एवं मुस्लिमों के संरक्षक होने की भूमिका निभा रहे हैं। कुमार ने कहा कि देश का युवा नौकरी चाहता है, धर्म नहीं। उन्होंने कहा, 'मोदी देश में जो काम दिल्ली से कर रहे हैं, वही दीदी (बनर्जी) कोलकाता में बैठकर कर रही हैं।'

22 सप्ताह का भ्रूण गिराने की कोर्ट से मांगी अनुमति

मुंबईः बलात्कार पीड़ित 14 वर्षीय लड़की ने 22 सप्ताह का गर्भ गिराने के लिए मुंबई उच्च न्यायालय से अनुमति मांगी है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे की अवकाशकालीन पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि सरकारी जेजे अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों का एक दल पीड़िता की मेडिकल जांच करे। अदालत ने कहा, 'दल को पीड़िता जांच करनी चाहिए और एक विस्तृत रिपोर्ट सौंप कर बताना चाहिए कि क्या पीड़िता का गर्भपात संभव और उचित है।'

कांदिवली में नई पाइपलाइन

मुंबईः कांदिवली (पूर्व) के त्रिवेणी संगम चॉल में चार इंच की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हुआ। इससे स्थानीय लोगों की पानी की किल्लत दूर हो सकेगी। नगरसेवक राजपति यादव की उपस्थिति में भूमिपूजन संपन्न हुआ।

सिद्धार्थ अस्पताल में फल वितरण

मुंबईः पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर मरीजों को फल वितरित किए गए। गोरेगांव के सिद्धार्थ अस्पताल में मंत्री विद्या ठाकुर, नगरसेवक दीपक ठाकुर की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

बच्चे की आव्रजन हिरासत में मौत

ह्यूस्टन : न्यू मेक्सिको में ग्वाटेमाला के आठ वर्षीय एक बच्चे की मंगलवार को सरकारी हिरासत में मौत हो गई। इस महीने आव्रजन हिरासत के दौरान किसी बच्चे की मौत का यह दूसरा मामला है। घटना ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने के लिए कोष की मांग को लेकर अमेरिका में कई दिन से सरकारी कामकाज आंशिक रूप से बंद है।

हो सकती है तीन तलाक विधेयक पर चर्चा

नई दिल्ली : मुस्लिम समाज से जुड़ी एक बार में तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) की प्रथा पर रोक लगाने के मकसद से लाए गए विधेयक पर बृहस्पतिवार को लोकसभा में चर्चा हो सकती है. पिछले सप्ताह सदन में इस पर सहमति बनी थी कि 27 दिसंबर को विधेयक पर चर्चा होगी। इससे पहले कांग्रेस ने इस पर सहमति जताई थी कि वह 'मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक-2018' पर होने वाली चर्चा में भाग लेगी। दरअसल, लोकसभा में पिछले हफ्ते जब मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक- 2018 चर्चा के लिए लाया गया तो सदन में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सुझाव दिया कि इस पर अगले हफ्ते चर्चा कराई जाए।

छह पुलिसकर्मियों पर मामला दर्ज

अमरोहा (उप्र) : अमरोहा के धनौरा क्षेत्र में पुलिस हिरासत में एक दलित युवक की हत्या के आरोप में प्रभारी निरीक्षक, एक दारोगा तथा हेड मोहर्रिर समेत छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में 11 पुलिसकर्मियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक दलित युवक के परिजन जयप्रकाश की तहरीर पर मंडी धनौरा के प्रभारी निरीक्षक अरविंद मोहन शर्मा, दारोगा मनोज उपाध्याय, हेडमोहर्रिर रविंद्र राणा तथा सिपाही विनीत चौधरी, जितेंद्र, विवेक समेत छह पुलिसकर्मियों पर हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com